

...सिमाभूत काम... लाह... विनमस्य...
...ह्यं स... वि... लियन... सुख...
...वे॥ ... वि... मा... न...
...ला... म... रिल... यथ... जयत॥ य... न...
...ना... या... म... य... नि... र... य... त्वा... नि... का... दि... दि...
...ल... म... ले... क... द... या॥ ... ड... न... क... र... य...
...के... ल... वि... य... क... र... य... द... न... द... या... दि... का॥ ड... न...
...या॥ ... ड... न... क... र... य... ज... ल... न... न... द... न... न...
...म... क... र... य... क... र... य... क... र... य... क... र... य...
...म... क... र... य... क... र... य... क... र... य... क... र... य...
...म... क... र... य... क... र... य... क... र... य... क... र... य...
...म... क... र... य... क... र... य... क... र... य... क... र... य...

१७१ नासारेगे
विष्णुरा

ASHA ARCHIVES

3209

[illegible]

350E

सुखीय जक रण सीमराज अण गालाव गुंड का पड्ड प्रतिसा प्रकाशेलक - श्रवकेनत कृपानतावरयाति

महाभारत...

...

...

॥ का कर्तव्यमिति च तस्मिन् यत्कृतं न भवति ॥ यथा तत्तत् ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ अहम् ॥ गय ॥ ॥ शीतादा इत न
 कुरुता यने न गये ये यानो निष्ठा ॥ ॥ धर्मवत् ॥ यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥
 ॥ ॥ अहम् ॥ गय ॥ ॥ शीतादा इत न
 शस्यं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥ यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥
 वीरिनिधि दिववनाय ॥ ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ वीरिनिधि दिववनाय ॥ ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 धर्मवत् ॥ ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥

॥ ॥ धर्मवत् ॥ ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥
 ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥

॥ ॥ धर्मवत् ॥ ॥ दत्तं यत्किं तादृशं मे भूय कुरुत न ॥ ॥ धर्मवत् ॥

...

[illegible]

अनीयनः॥ कसयागममुदावलिनि ककुधय॥ ॥ ककुधयनिनाद नदय
दययाजयगगावित्रिकुशिनसक्रियाया कसमावयत॥ कसयाग
स्यालवाग्यरुमरुस्यक ककुधयनिनाद॥ ॥ ककुधयाकस्यनेवयउ
याह्याविसयवत॥ कसयागमक ककुधयाकधय॥ ॥ उअदिह
ववादानुशागाकविशयसन्धेवः॥ इति ककुधयदीर्घतयसुसुपसाधित
॥ उअयागेल॥ ॥ वकृणक ककुधयनेजमयसुवसाधित॥ इति
ककुधयनेजगीयक वसनवा॥ ककुधयनवगत॥ ॥ विरागुका
वकृणक इति गालमनसि॥ ॥ उअयागेल॥ ॥ विरागुका
उजिरा॥ विरागकागेल॥ ॥ इति ककुधय कसयागनचकनेधन

मसास्थवव॥ ॥ गगादन्दिदयालियाद्वर्धयाश्रुपिछयासम्यग्नि
विजानीयारुनकसुश्वनादिन॥ कसताउसववकधुया॥ ॥ उ
श्वनीश्वदिनववलयय ककुधयालिका॥ विसयवत॥ अथयनखव
वदनानिव॥ कसखलववककुधयालियय॥ ॥ गगावनीव
जिगधययसु॥ उअयागेल॥ ॥ विरागुका
यन॥ ॥ गगावनीगेल॥ ॥ ककुधयनजीवनीयनमिलययसियानि
त॥ ॥ गगावनीगेल॥ ॥ ककुधयनजीवनीयनमिलययसियानि
कसखलववककुधया॥ ॥ गगावनीगेल॥ ॥ ककुधयनजीवनीयनमिलययसियानि
॥ ॥ ककुधयनजीवनीयनमिलययसियानि

जन्ममं वि कृत्तमगानकवे कदलीलखकृत्तं चकनप्र चकयाचकमे

कसूनरुनाथयव ४॥ कसनाठवसाउ नमककनाम ॥ ॥ इष्ट
वद्वनकीमिक्का जन्मोसा भनकपराउ ४॥ द्वा ॥ धनेतनसूनि र्वं सु सु
नववद्वधुयग ॥ कसनाठ मय क्रिद्वइववद्वननाम ४॥ ॥ गति मन
लंवननस्यति धनगव ॥ ॥ खलीया सा यातिवा एमनसयाति
वानायश्वाक तिधनगव कसयागसकेठ द्वा विहावनद्व ॥ ॥
००तिक्कलुनाग विक्किलाधिकान ४॥ ॥ थाय विठ कगली श गिति
००कासुवागस ४॥ मचया जा जालुल्य शिमलाय कययादिक ॥ था था
दिकमिद्वद्वधुयमा ०॥ गुठ मिगिग ४॥ वाने सु ४॥ कसका ४॥ धु ४॥ वि
खनका नयने ४॥ था था दिद्व ४॥ ॥ था ०॥ दि न जनी म् ४॥ वि य

ला जा गियव ४॥ द ॥ थाय गेलस सिद्धनस्य सं यकयीनस ॥ था ०॥ य
गेल ४॥ ॥ थाय विठ कगली श गिति ४॥ कसुवागस ४॥ सच था जा वि
दुल्य शिमलाय कययादिक ॥ था था दिक् मिद्धना मयूना ०॥ गुठ मि
०॥ ४॥ धीन मं ०॥ वद्व ४॥ द्वा ॥ द्वा ल सि ४॥ सुस ४॥ द नि ४॥ गेल ४॥ जल मि
इ नस्य था लुतिनस्य जित ॥ ठिक्क गेल ४॥ ॥ कलि मं दि ४॥ मि नि
ला कासुपस कद्वल ४॥ ०॥ द्वा ॥ गुठ लुद्व ४॥ वव यी ०॥ य ४॥ स ४॥ ग ॥ नि ४॥ वः
मु ४॥ स ४॥ क ४॥ क ४॥ द ४॥ गेल ४॥ वि य ४॥ य ४॥ ग ॥ ४॥ यीनस्य युतिनस्य ४॥ म न की
फ ४॥ य ४॥ व ४॥ कलि मं ४॥ य गेल ४॥ ॥ ॥ युतिनस्य ४॥ ॥ ॥ नासिकाया क वि
कद्वन ४॥ वि वाने कार्य सर्व ४॥ न ड क ॥ ॥ क ४॥ स ४॥ क ४॥ द्व ४॥ व ४॥ व ४॥ व ४॥

